एक मौका और दें, तो पूरी करेंगे आकांक्षाएं

आइआइएम के आठवें दीक्षा समारोह में बोले मंत्री जयंत सिन्हा, कहा : हमेशा कुछ यूनिक डेवलप करें

जागरण संवाददाता, रांची : केंद्रीय उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने छात्र-छात्राओं से कहा कि इन पांच सालों में हमने आपकी आवश्यकताओं को पूरा किया। एक मौका और दें तो अब आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। वह शनिवार को खेलगांव स्थित डॉ. रामदयाल मुंडा ऑडिटोरियम में आयोजित आइआइएम रांची के आठवें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसा काम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया, वैसा ही आकांक्षाओं के लिए भी करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि छात्र कुछ यूनिक डेवलपमेंट करें, जिसकी कोई सीमा नहीं हो। ऐसा करके ही हम अपने सपनों का भारत बना सकते हैं। इससे पहले आइआइएम के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में कुल 268 पास आउट विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इसमें एमबीए के 179, एमबीए एचआरएम के 62 और पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट के 27 विद्यार्थी हैं। निदेशक ने कहा कि संस्थान में सौ फीसदी प्लेसमेंट हुआ है। मौके पर बोर्ड आफ गवर्मेंट के प्रवीण शंकर पांड्या सहित अन्य थे।

2021 में अपने कैंपस में होगा दीक्षा समारोह : निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि एचइसी क्षेत्र में आइआइएम का अपना कैंपस तेजी से बन रहा है। वर्ष 2021 में 10वां दीक्षा समारोह अपना कैंपस में होगा। निदेशक ने कहा कि छात्र-छात्राएं समाज के विकास व पर्यावरण संरक्षण की बात करें। कर्म क्षेत्र में भी विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत को जारी रखें। अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ बनें।

देश का विकास आपके कंधों पर : आइआइएम के बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने छात्रों से कहा कि आपके कंधों पर देश का विकास है। युवाओं में खूब पोटेंशियल है। हम सबसे तेजी से विकास कर रहे हैं। मैन्युफेक्चिरिंग सेक्टर में और आगे बढ़ने की जरूरत है। आइटी सेक्टर में अच्छा काम किया है। युवाओं से कहा कि अपना लक्ष्य तय कर उसे प्राप्त करें।

आइआइएम के दीक्षा समारोह में विशेष अवार्ड से सम्मानित विद्यार्थियों के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिन्हा, आइआइएम के निदेशक और अन्य।

आज मैं ऊपर, आसमां नीचे

आइआइएम रांची के दीक्षा समारोह में शनिवार को जब पासआउट छात्र-छात्राओं को मेडलों के साथ उपाधियों से नवाजा गया तो इसे उन्होंने अपने छात्र जीवन के सबसे गौरवमयी क्षण के रूप में सेलिब्रेट किया। ब्लैक गाउन और ब्लैक कैप के शाही लिबास में बन ठन कर समारोह में शिरकत करने आए डिग्रीधारकों ने हवा में टोपियां उछालकर अपनी खुशी का इजहार किया तो इनकी खुशी देख आसमान भी झूम उठा • मनोरंजन

इन्हें मिला मेडल

एमबीए (2017-19 बैच)

- तरुण चौधरी-प्रथम-चेयरमैन मेडल
- अंकित मार्डा- द्वितीय-डायरेक्टर मेडल
- आयुषी अग्रवाल-तृतीय-चेयरपर्सन मेडल-
- वैद्य विनीत जतनलाल- चतुर्थ-बुक
- दीपक वर्मा- पंचम- बुक

एमबीए एचआरएम (2017-19 बैच)

- एमवीएस सुधीर-प्रथम-चेयरमैन मेडल
- जॉय कुंडू - द्वितीय-डायरेक्टर मेडल
- साक्षी गुप्ता -तृतीय- चेयरपर्सन मेडल
- विशाखा भारद्वज पी- चतुर्थ- बुक
- ऐश्वर्या श्रीनिवासन- पंचम- बुक

पीजीईएक्सपी (2017-19 बैच)

- सुजीत कुमार-प्रथम-चेयरमैन मेडल
- अजीत कुमार पात्रा - द्वितीय-डायरेक्टर मेडल
- आराधना सुमन-तृतीय-चेयरपर्सन मेडल
- नवीन ठाकुर - चतुर्थ- बुक
- अखिलेश कुमार उपाध्याय-पंचम- बुक

तेजी से कर रहे विकास

मंत्री जयंत सिन्हा ने कहा कि जीडीपी के दृष्टिकोण से देखें तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम तेजी से विकास कर रहे हैं।

Dainik Jagran, 17.03.2019, Pg. I